विशाल लक्ष्य को किया ध्वस्त

राहुल-सुदर्शन के शतकों से भारत जीता, ध्रुव और राहुल ने मिलकर जीत पक्की की

लखनऊ. के.एल. राहुल (नाबाद 176) और साई सुदर्शन (100) की शानदार शतकीय पारियों की बदौलत भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकृत टेस्ट में एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की है.

इस जीत के साथ ही भारत ने दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली. शुक्रवार को बीआरएसएबीवी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में भारत ए ने 412 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार प्रदर्शन किया.

यह भारत में फर्स्ट-क्लास क्रिकेट के इतिहास में छठी सबसे बड़ी सफल रन चेज़ है. भारत ने चौथे दिन की शुरुआत दो विकेट पर 169 रन से की, और जीत के लिए उसे 243 रनों की आवश्यकता थी. दिन की शुरुआत में ही मनव सुथार (5) के रूप में भारत का तीसरा विकेट गिर गया. इसके बाद कल चोट के कारण मैदान से बाहर गए के.एल. राहुल फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरे और सुदर्शन के साथ मिलकर जीत की नींव रखी. दोनों ने मिलकर 143 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई. सुदर्शन ने 172 गेंदों में नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 100 रन पूरे किए, जिसके तुरंत बाद वह आउट हो गए. राहुल ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और 136 गेंदों में अपना 22वाँ फर्स्ट-क्लास शतक पूरा किया.

सुदर्शन के आउट होने के बाद, कप्तान ध्रुव जुरेल ने मैदान पर कदम रखा और राहुल के साथ मिलकर पाँचवें विकेट के लिए 115 रन जोड़े, जिससे टीम जीत के करीब पहुँची. राहुल ने 210 गेंदों का सामना करते हुए 16 चौकों और चार छक्कों की मदद से 176 रनों की नाबाद मैच विजयी पारी खेली.

> ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज, जिन्हें पिच से ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी, भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में विफल रहे. ऑस्ट्रेलिया ए के लिए टॉड मर्फी ने तीन जबकि कोरी रॉकीचॉली ने दो विकेट लिए. इस जीत ने न केवल भारत ए की क्षमता को दर्शाया है, बल्कि यह भी साबित किया है कि युवा भारतीय खिलाड़ी बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम हैं. मैच में ऑस्ट्रेलिया ए ने अपनी पहली पारी में 420 रन बनाए थे.

ओलंपिक्स बैडमिंटन : भारत ने जीते चार पदक

- एक स्वर्ण और तीन रजत पदक से चमका प्रदर्शन
- चानवी शर्मा ने महिला एकल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली,26 सितंबर. भारतीय दल ने मलेशिया में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक बैडमिंटन प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार पदक हासिल किए.

10 देशों के खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा करते हुए, भारतीय खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।स्पेशल ओलंपिक्स भारत की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चानवी शर्मा ने महिला एकल में स्वर्ण पदक जीतकर सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया.

> स्पेशल ओलंपिक्स भारत के अध्यक्ष ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, हमें अपने खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है, जिन्होंने मलेशिया में पदक जीते. उनका साहस, दृढ़ता और टीम भावना स्पेशल ओलंपिक्स के मूल सार को दर्शाते हैं. मैं पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता हूं और भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं.

जमाल हुसैन ने तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स खिताब जीता

हैदराबाद. बांग्लादेश के जमाल हुसैन को शुक्रवार को यहां भारी बारिश के कारण अंतिम दौर रद्द किए जाने के बाद एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाले तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स का विजेता घोषित किया गया.चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा उपविजेता रहे. टूर्नामेंट का नतीजा 54 होल के बाद कुल स्कोर के आधार पर घोषित किया गया. हुसैन (61-62-64) तीसरे दौर के बाद 54 होल में 23 अंडर 187 के स्कोर की बदौलत चार शॉट से आगे चल रहे थे. इस तरह उन्होंने अपना छठा और पिछले साल नवंबर के बाद पहला खिताब जीता.

चेन्नई में पहली बीएफआई कप की शुरुआत

चेन्नई,26 सितंबर. भारत में उभरते हुए मुक्केबाजों के लिए एक स्पष्ट रास्ता बनाने के उद्देश्य से, बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया 1 से 7 अक्टूबर तक चेन्नई में पहले बीएफआई कप का आयोजन करेगा.

इस प्रतियोगिता में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 10-10 भार श्रेणियां होंगी, जिसमें स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को सीधे एलीट नेशनल कैंप में प्रवेश मिलेगा. बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, भारतीय मुक्केबाजी निस्संदेह आगे बढ़ रही है, और बीएफआई एक एथलीट-केंद्रित दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके परिणाम पहले से ही दिख

रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, बीएफआई कप उसी दिशा में एक और कदम है, क्योंकि यह युवा मुक्केबाजों को अपनी पहचान बनाने और राष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला करने का मौका देगा।

ऐसे टूर्नामेंट स्थापित मुक्केबाजों को अपनी तैयारी परखने का अवसर भी देते हैं, जबकि हमें नई प्रतिभाओं की पहचान करने में भी मदद मिलती है. इस प्रतियोगिता में 8वीं एलीट नेशनल चैंपियनशिप में शीर्ष आठ में रहने वाली राज्य इकाइयां या बोर्ड, भारतीय खेल प्राधिकरण के रोहतक स्थित नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और मेजबान राज्य तमिलनाडु से एक मुक्केबाज को प्रति श्रेणी में उतार सकते हैं.

एक नजर में

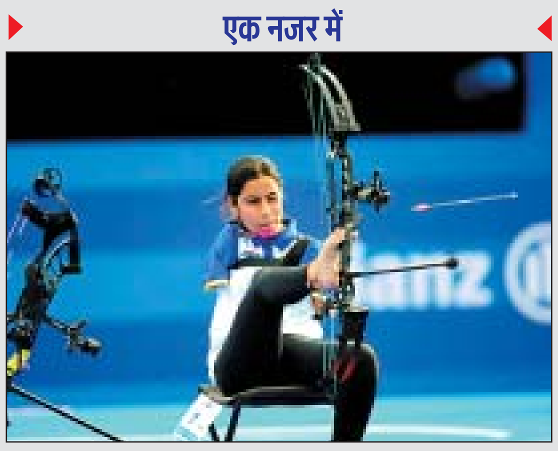

पैरा तीरंदाजी में भारत ने तीन पदक पक्के किए

ग्वांगजू. भारत ने दक्षिण कोरिया में चल रही पैरा तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में कम से कम तीन पदक पक्के कर लिए हैं. पुरुष कंपाउंड ओपन वर्ग में एक ऑल-इंडियन फाइनल सुनिश्चित हो गया है, जबकि युवा सनसनी शीतल देवी ने महिला कंपाउंड फाइनल में जगह बनाई है. इस प्रतियोगिता में भारत की शुरुआत शानदार रही. पेरिस पैरालंपिक के कांस्य पदक विजेता राकेश कुमार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए खिलाड़ी टोमन कुमार ने पुरुष कंपाउंड ओपन वर्ग के व्यक्तिगत स्पर्धा के स्वर्ण पदक मैच में प्रवेश कर लिया है.

16 वर्षीय जोनाथन ने एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली. भारत की युवा प्रतिभाओं ने डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में चल रहे आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में शानदार प्रदर्शन जारी रखा है. कर्नाटक के 16 वर्षीय निशानेबाज जोनाथन एंटनी ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा. फाइनल में उन्होंने इटली के लुका अरिघी को 8.5 अंकों के बड़े अंतर से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया. जोनाथन, जिन्हें ओलिंपियन और खेल रत्न पुरस्कार विजेता जीतू राय कोचिंग देते हैं, ने फाइनल में 244.8 का ओलिंपिक रिकॉर्ड स्कोर बनाया. इससे पहले वह क्वालिफिकेशन राउंड में भी 586 के प्रभावशाली स्कोर के साथ शीर्ष पर रहे थे. यह जोनाथन का सिर्फ दूसरा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है.

हमारा ध्यान क्रिकेट पर, विवाद पर नहीं : हरमनप्रीत

बेंगलुरु. भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पुरुष एशिया कप को लेकर हो रहे शोर-शराबे को दरकिनार करते हुए कहा है कि उनका सारा ध्यान केवल क्रिकेट पर रहेगा. आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 से पहले कैप्टन्स डे पर पत्रकारों से बात करते हुए हरमनप्रीत ने कहा, हम केवल मैदान पर होने वाली घटनाओं को नियंत्रित कर सकते हैं. अन्य मामले हमारे हाथ से बाहर हैं. ड्रेसिंग रूम में हम इन बातों पर चर्चा भी नहीं करते. हम यहां केवल क्रिकेट खेलने के लिए हैं, और हमारा ध्यान क्रिकेट पर ही रहेगा. उन्होंने जोर दिया कि टीम का ध्यान शुरुआती मैच पर है.

भारत ने नेपाल को 3-0 से हराया

- फाइनल में बांग्लादेश से होगा मुकाबला
- भारतीय अंडर-17 टीम ने फाइनल में जगह बनाई

कोलंबो (श्रीलंका). भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम ने सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप 2025 के सेमीफाइनल में नेपाल को 3-0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है.

रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में, गत चैंपियन भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की. फाइनल में भारत का मुकाबला बांग्लादेश से होगा, जिसने दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 2-0 से हराया.मैच का पहला हाफ गोलरहित रहा, लेकिन यह भारत के दबदबे को कम नहीं करता. भारतीय खिलाड़ियों ने धैर्य और परिपक्वता दिखाते हुए पूरे हाफ में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और नेपाल को बैकफुट पर धकेल दिया. हालांकि, फिनिशिंग में कमी के कारण टीम पहले हाफ में कोई गोल नहीं कर पाई. मैच का पहला गोल 61वें मिनट में आया, जब वांगखेइराकपम गुनलेइबा ने चालाकी से नेपाल के डिफेंस को चकमा देते हुए गेंद को गोल में डाल दिया.

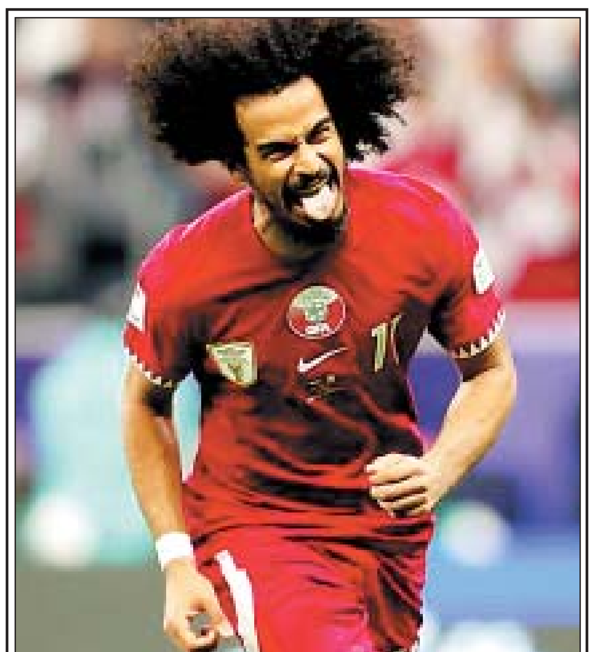

अकरम अफीफ एशियाई प्लेयर अवार्ड के लिए नामांकित

रियाद, 26 सितंबर. मौजूदा एशियाई प्लेयर ऑफ द ईयर कतर के अकरम अफीफ को एक बार फिर इस प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है. उनके साथ सऊदी अरब के सलेम अल-दौसरी और मलेशिया के आरिफ ऐमन भी पुरुषों के पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं.

अगर अफीफ यह खिताब जीतते हैं, तो वह तीन बार यह पुरस्कार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे. उन्होंने 2019 में भी यह ट्रॉफी जीती थी. वहीं, सऊदी अरब के अल-हिलाल क्लब से खेलने वाले अल-दौसरी 2022 में यह सम्मान हासिल कर चुके हैं. मलेशिया के विंगर आरिफ ऐमन पहली बार इस पुरस्कार के लिए नामांकित हुए हैं, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है.

महिलाओं के पुरस्कार के लिए ऑस्ट्रेलिया की होली मैक्नामारा, चीन की वांग शुआंग और जापानी डिफेंडर हाना ताकाहाशी को नामांकित किया गया है.एएफसी के इंटरनेशनल प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए दक्षिण कोरिया के ली कांग-इन, ईरान के मेहदी तारेमी और जापान के ताकेफुसा कुबो के नाम शॉर्टलिस्ट किए गए हैं.पुरस्कार समारोह 16 अक्टूबर को सऊदी अरब के रियाद में आयोजित किया जाएगा.

एक बार जीतने के बाद दोबारा हराना आसान

ग्रैंड स्लैम में अल्काराज और सिनर को हराने का लक्ष्य

टोक्यो,26 सितंबर. अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज का मानना है कि वह बड़े टूर्नामेंटों और ग्रैंड स्लैम में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर को हरा सकते हैं.

उनका कहना है कि एक बार जब वह किसी खिलाड़ी को हरा देते हैं, तो उनके लिए उस जीत को दोहराना मानसिक रूप से आसान हो जाता है. हाल ही में हुए लेवर कप में फ्रिट्ज ने टीम वर्ल्ड का प्रतिनिधित्व करते हुए अल्काराज के लगातार 13 मैचों की जीत के सिलसिले को खत्म कर दिया था। यह अल्काराज पर उनकी पहली जीत थी। फ्रिट्ज ने ओलंपिक.कॉम से बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैं लंबे समय से यह महसूस कर रहा था कि अगर सब कुछ सही रहा और मैं अच्छा खेलूं तो मैं शीर्ष खिलाड़ियों को हरा सकता हूँ। लेकिन पिछले हफ्ते कार्लोस और साशा (ज्वेरेव) को लगातार दो मैचों में हराने से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। यह भले ही ग्रैंड स्लैम नहीं था, लेकिन इससे मुझे विश्वास मिला कि मैं एक बड़े टूर्नामेंट में भी ऐसा कर सकता हूँ।

इस साल की शुरुआत में चोट लगने के कारण फ्रिट्ज को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद चोट के बावजूद खेलना जारी रखा, जिससे उनकी फॉर्म खराब हो गई। हालांकि, उन्होंने कहा कि ग्रास सीजन शुरू होने के बाद से वह अपने प्रदर्शन से खुश हैं।

पैरालंपियन टी64 ऊंची कूद वर्ग में प्रवीण का घरेलू प्रदर्शन, पेरिस पैरालंपिक्स में प्रवीण ने जीता था स्वर्ण पदक

भारत को शीर्ष पर रखना है : प्रवीण कुमार

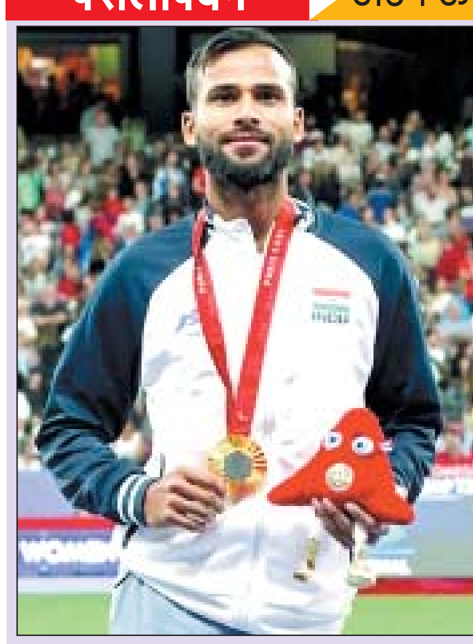

नई दिल्ली. भारत के सबसे चमकते पैरा एथलेटिक्स सितारों में से एक, पैरालंपियन प्रवीण कुमार 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) स्टेडियम में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में घरेलू दर्शकों के सामने अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं.

टी64 ऊंची कूद वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाले प्रवीण ने भारतीय पैरा एथलेटिक्स में सबसे प्रेरणादायक करियर में से एक का निर्माण किया है। पेरिस पैरालंपिक्स में स्वर्ण पदक विजेता रहे प्रवीण कुमार ने अपनी मानसिकता और दृढ़ संकल्प के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि 2021 में अर्जुन पुरस्कार जीतने के बाद, उनका अगला लक्ष्य खेल रत्न था, जिसे उन्होंने पेरिस में स्वर्ण पदक जीतकर हासिल किया.

प्रवीण ने पेरिस के लिए अपनी तैयारी को याद करते हुए बताया कि उन्होंने अपने दिमाग को पूरी तरह से खेल पर केंद्रित करने के लिए दो महीने तक परिवार से दूरी बनाई। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता था कि उस समय पारिवारिक माहौल हो। मेरा दिमाग मुझसे कह रहा था, अभी खेल पर ध्यान दो, केवल दो महीने बचे हैं। जैसे-जैसे मैं अपने इवेंट के करीब आया, मेरी मानसिकता और मजबूत होती गई। उन्होंने यह भी बताया कि पेरिस पैरालंपिक्स से पहले उन्हें चोट लगी थी, लेकिन उन्होंने समय रहते खुद को ठीक कर लिया. आगे के लक्ष्य के बारे में बात करते हुए प्रवीण ने कहा, मैं विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूँ, और अगले साल एशियाई खेलों में भी स्वर्ण जीतना चाहता हूँ। उसके बाद 2027 में एक और विश्व चैंपियनशिप होगी। मैं हर साल खुद को और अपने देश को शीर्ष पर रखने की कोशिश करूंगा.

> प्रवीण कुमार, जिन्होंने 2018 में कोच सत्यपाल सिंह के मार्गदर्शन में पैरा स्पोर्ट्स शुरू किया था, ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय पदक से लेकर पैरालंपिक जीत तक के अपने सफर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2019 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक, 2020 में टोक्यो में रजत, उसके बाद विश्व चैंपियनशिप में कांस्य, एशियाई खेलों में स्वर्ण और अब पेरिस पैरालंपिक्स में स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने एथलीटों के लिए सरकार के समर्थन की भी सराहना की.